



प्रेरितिक उत्तराधिकार

सत्तर में से एक प्रेरित संत तद्दे (Addai) से वर्तमान समय तक

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप

GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन



1. संत तद्दे (ADDAI), सत्तर में से एक प्रेरित^{CO}

लगभग 30 ई. में सत्तर चेलों में से एक के रूप में मसीह द्वारा भेजे गए (लूका 10:1)

यह प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम लगभग 30 ई. में प्रेरित तद्दे (Addai) से आरंभ होकर आज तक चला आता है – 2026 तक 1,996 वर्षों की अवधि।

संत तद्दे (Addai) से पूर्व के कैथोलिकोस-पैट्रिआर्क Shimun XVIII Rubil तक का उत्तराधिकार पूर्व की असीरियाई कलीसिया द्वारा रखी गई कैथोलिकोस-पैट्रिआर्कों की सूची का अनुसरण करता है: वही सूची जिसके द्वारा पूर्व की कलीसिया अपने प्रेरितिक उत्तराधिकार को संत तद्दे (Addai) और प्रेरित संत थोमा तक खोजती है।

पूर्व की कलीसियाएँ संत तद्दे (Addai) को सत्तर में से एक प्रेरित के रूप में सम्मान देती हैं: पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया, जो 21 अगस्त को उनका पर्व मनाती है और उन्हें उन सत्तर प्रेरितों में गिनती है जिनका 4 जनवरी को एक साथ स्मरण किया जाता है; और पूर्व की असीरियाई कलीसिया, कल्दी कैथोलिक कलीसिया और सीरियाई ऑर्थोडॉक्स कलीसिया, जो उन्हें एडेसा के प्रेरित के रूप में सम्मान देती हैं। इतिहासकार यूसेबियस ने, लगभग 325 ई. में, लिखा कि संत थोमा ने एडेसा में “तद्दे, एक प्रेरित, सत्तर में से एक” को भेजा।

बिशप-पद पर अभिषेक, एक से अगले को, नीचे नामित कलीसियाओं के माध्यम से किए गए।

इस उत्तराधिकार-क्रम के कुछ बिशप संतों के रूप में भी सम्मानित हैं। उनके नामों के पास दिए गए चिह्न केवल जीवन की पवित्रता से संबंधित हैं। वे किसी भी अभिषेक की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं डालते: सूची में दिया गया प्रत्येक बिशप उत्तराधिकार में समान रूप से अपना स्थान रखता है, चाहे वह संत के रूप में सम्मानित हो या न हो।

संत संत: वह व्यक्ति जिसे कोई कलीसिया सार्वजनिक रूप से इस रूप में सम्मान देती है कि उसने वीरतापूर्ण पवित्रता का जीवन जिया और अब वह परमेश्वर के साथ है, और जिसकी स्मृति वह अपने पंचांग में रखती है। आरम्भिक कलीसिया में संतों को विश्वासियों और उनके बिशपों की सार्वजनिक स्वीकृति द्वारा मान्यता मिलती थी; बाद में, रोमन कैथोलिक कलीसिया में औपचारिक संत-घोषणा (canonization) द्वारा और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया में महिमाकरण (glorification) द्वारा।

धन्य धन्य: रोमन कैथोलिक कलीसिया में, वह व्यक्ति जिसे धन्य घोषित किया गया है (beatification); यह संत घोषित किए जाने से पहले का औपचारिक चरण है।

C रोमन कैथोलिक कलीसिया द्वारा संत या धन्य के रूप में सम्मानित।

CO रोमन कैथोलिक और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स दोनों कलीसियाओं द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

लाल शहीद: वह जिसने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए।

कौन संत है, इस पर कलीसियाएँ सदा सहमत नहीं होतीं। एक कलीसिया किसी ऐसे व्यक्ति को सम्मान दे सकती है जिसे दूसरी नहीं देती, और चिह्न दर्शाते हैं कि प्रत्येक को कौन-सी कलीसिया सम्मान देती है।

सेल्यूकिया-टेसीफ़ोन

पूर्व की कलीसिया, जिसकी स्थापना सत्तर में से एक प्रेरित संत तदै (Addai) ने, जिन्हें संत थोमा ने एडेसा भेजा, और उनके चेलों संत Aggai और संत Mari ने की। पूर्व के कैथोलिकोस-पैट्रिआर्क, जिनका पीठ सेल्यूकिया-टेसीफ़ोन में और बाद में बग़दाद में था, संत Aggai से लेकर Shemon VII Ishoyahb तक।

2. Aggai	लगभग 66
3. संत Mari ^C	लगभग 81
4. Abris	लगभग 121
5. Abraham I	लगभग 159
6. Yaqob I	लगभग 190
7. Ahadabui	लगभग 204
8. Shahlufa	लगभग 220
9. Papa bar Aggai	लगभग 280
10. संत Shemon bar Sabbae ^{CO} शहीद	329
11. संत Shahdost ^{CO} शहीद	341
12. संत Barba'shmin ^{CO} शहीद	343
13. Tomarsa	363
14. Qayyoma	377
15. Isaac	399

16. Ahha	410
17. Yahballaha I	415
18. Maana	420
19. Farbokht	421
20. Dadisho	421
21. Babowai	457
22. Acacius	485
23. Babai	497
24. Shila	503
25. Elisha	524
26. Paul	539
27. Aba I	540
28. Joseph	552
29. Ezekiel	570
30. Ishoyahb I	582
31. Sabrisho I	596
32. Gregory	605
33. Ishoyahb II	628

34. Maremmeh	646
35. Ishoyahb III	649
36. Giwargis I	661
37. Yohannan I	680
38. Hnanisho I	686
39. Sliba-zkha	714
40. Pethion	731
41. Aba II	741
42. Yaqob II	754
43. Hnanisho II	775
44. Timothy I	780
45. Isho bar Nun	823
46. Giwargis II	828
47. Sabrisho II	831
48. Abraham II	837
49. Theodosius	853
50. Sargis	860
51. Enosh	877
52. Yohannan II	884
53. Yohannan III	893
54. Yohannan IV	900
55. Abraham III	906
56. Emmanuel I	937
57. Israel	961
58. Abdisho I	963
59. Mari II	987
60. Yohannan V	1000
61. Yohannan VI	1012
62. Ishoyahb IV	1020

63. Eliya I	1028
64. Yohannan VII	1049
65. Sabrisho III	1064
66. Abdisho II	1074
67. Makkikha I	1092
68. Eliya II	1111
69. Bar Sawma	1134
70. Abdisho III	1139
71. Ishoyahb V	1149
72. Eliya III	1176
73. Yahballaha II	1190
74. Sabrisho IV	1222
75. Sabrisho V	1226
76. Makkikha II	1257
77. Denha I	1265
78. Yahballaha III	1281
79. Timothy II	1318
80. Denha II	1336
81. Shemon II	लगभग 1385
82. Eliya IV	लगभग 1405
83. Shemon III	लगभग 1425
84. Shemon IV	लगभग 1437
85. Shemon V	1497
86. Eliya V	1502
87. Shemon VI	1504
88. Shemon VII Ishoyahb	1539

SHIMUN उत्तराधिकार-क्रम

1553 से, Shimun वंश के कैथोलिकोस-पैट्रिआर्क, जिन्हें पूर्व की कलीसिया संत तद्दै (Addai) और संत Mari के उत्तराधिकारी मानती

है, Shimun XVIII Rubil तक।

89. Shimun VIII Yohannan Sulaqa	1553
90. Abdisho IV Maron	1555
91. Yahballaha IV	1577
92. Shimun IX Dinkha	1580
93. Shimun X Eliya	1600
94. Shimun XI Eshuyow	1638
95. Shimun XII Yoalaha	1656
96. Shimun XIII Dinkha	1662
97. Shimun XIV Shlemon	1700
98. Shimun XV Maqdassi Mikhail	1740
99. Shimun XVI Yohannan	1780
100. Shimun XVII Abraham	1820
101. Shimun XVIII Rubil	1861

भारत

Mar Abdisho से, जिन्हें 1862 में पैट्रिआर्क Shimun XVIII ने भारत के मेट्रोपोलिटन के रूप में अभिषिक्त किया; प्रत्येक बिशप को अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप ने अभिषिक्त किया।

102. Anthony Thondanatt (Mar Abdisho)	1862
---	------

103. Luis Mariano Soares (Mar Basilius)	1899
---	------

इंग्लैंड

Mar Jacobus से, जिन्हें 1902 में मर्सिया के बिशप के रूप में अभिषिक्त किया गया, प्रत्येक बिशप अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप द्वारा अभिषिक्त।

104. Ulric Vernon Herford (Mar Jacobus)	1902
105. William Stanley McBean Knight (Mar Paulus)	1925
106. Hedley Coward Bartlett	1931
107. Hugh George de Willmott Newman (Mar Georgius)	1945
108. Richard Kenneth Hurgon	1946

स्वीडन और अमेरिका

स्वीडन के Bertil Persson से, उन बिशप तक जिन्होंने यह उत्तराधिकार वर्तमान समय तक पहुँचाया।

109. Nils Bertil Alexander Persson	1985
110. Samuel Guido, Jr.	2004

111.

GARLAND F. BYERS, JR.

2013

पूर्व के कैथोलिकोस-पैट्रिआर्क के साथ साझा उत्तराधिकार

पूर्व की असीरियाई कलीसिया के वर्तमान कैथोलिकोस-पैट्रिआर्क, Mar Awa III, और बिशप बायर्स पूर्व के कैथोलिकोस-पैट्रिआर्कों का उत्तराधिकार-क्रम, जैसा वह कलीसिया उनकी सूची रखती है, संत तदै (Addai) से लेकर

Mar Shimun XVIII Rubil (1861–1903 तक कैथोलिकोस-पैट्रिआर्क) तक साझा करते हैं, जिन्होंने 1862 में बिशप बायर्स के क्रम में Mar Abdisho (Anthony Thondanatt) को अभिषिक्त किया।



पवित्र दीक्षा

पुरोहित-अभिषेक

17 अगस्त 2008, हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel, पामर्टन, पेंसिल्वेनिया में।

बिशप-पद पर अभिषेक

20 अप्रैल 2013, पवित्र प्रभु-भोज के अनुष्ठान के दौरान हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel में, जिसकी सभा उस दिन American Legion Post 16, स्लैटिंगटन, पेंसिल्वेनिया में हुई थी।

प्रमुख अभिषेककर्ता

बिशप Samuel Guido, Jr.

सह-अभिषेककर्ता

बिशप Bradley A. Varvil

बिशप Michael Byus

बिशप James Thompson

सुसमाचार के सेवक के रूप में अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, बिशप-पद पर अभिषेक के छायाचित्रों सहित, [बिशप के विषय में](#) पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।

सेवा

20 अप्रैल 2013 को Lutheran Orthodox Church, Inc. के भीतर बिशप-पद पर अभिषेक, जिसमें उन्होंने बाद में Western North Carolina धर्मप्रांत के आर्चबिशप के रूप में सेवा की। बिशप बायर्स अब उस संस्था से संबद्ध नहीं हैं।

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी (मानद, honoris causa), Lutheran Orthodox Church, Inc. द्वारा 20 अप्रैल 2013 को प्रदान की गई।



इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; [Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International \(CC BY-SA 4.0\)](#) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

एडेसा के प्रेरित संत तद्दे का आइकन, काष्ठ-फलक पर एनकॉस्टिक (मोम-रंग) चित्र, दसवीं शताब्दी, राजा अबगर के त्रिफलक से, संत कैथरीन मठ, सीनै पर्वत। चित्र [Wikimedia Commons](#) के माध्यम से, सार्वजनिक डोमेन; मूल से काटकर और आकार बदलकर।